

भारत-पोलैंड संबंध: पीएम मोदी बोले- एफटीए से बढ़े अवसर; टस्क ने कहा- मित्र कहने पर गर्व; हितों में टकराव नहीं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता कर व्यापार, रक्षा और तकनीक समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। दोनों देश सालाना व्यापार को करीब छह अरब डॉलर से बढ़ाकर 10 अरब डॉलर तक पहुंचाना चाहते हैं। टस्क अपनी यात्रा के दौरान भारत-पोलैंड बिजनेस फोरम में हिस्सा लेंगे और 23 अक्टूबर को बंगलूरु में सूचना प्रौद्योगिकी तथा अंतरिक्ष क्षेत्र के नेताओं से मुलाकात करेंगे। यह 2010 के बाद किसी पोलिश प्रधानमंत्री की पहली भारत यात्रा



हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने गुरुवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-पोलैंड संबंधों की समीक्षा की और व्यापार, रक्षा, तकनीक समेत कई अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के रास्तों पर चर्चा की। टस्क 21 से 23 अक्टूबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस दौर का उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना है। टस्क से मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से भारत-पोलैंड साझेदारी के लिए नए अवसर बढ़ें हैं। उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत ने दोनों देशों के बीच सहयोग की नई संभावनाएं पैदा की हैं। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में मोदी ने कहा कि ईयू के साथ व्यापार समझौते ने इन अवसरों को और व्यापक बना दिया है।

दो साल में रणनीतिक साझेदारी को मिली नई गति पीएम मोदी पीएम मोदी ने भारत दौरे पर आए डोनाल्ड टस्क का स्वागत करते हुए 2024 में अपनी पोलैंड यात्रा का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस यात्रा के दौरान दोनों देशों के संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया था। इसके बाद पिछले दो वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों को नई गति मिली है। मोदी के मुताबिक, भारत और पोलैंड की दोस्ती केवल कूटनीतिक रिश्तों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवता और संवेदनशीलता की साझा विरासत पर आधारित है। प्रधानमंत्री मोदी ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलैंड के लोगों को भारत में मिली मदद का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जामनगर और कोल्हापुर के शाही परिवारों ने हजारों पोलिश बच्चों और परिवारों को भारत में आश्रय दिया था। पीएम मोदी ने इस ऐतिहासिक घटना को दोनों देशों के बीच मानवीय संबंधों की मजबूत कड़ी बताया। व्यापार, रक्षा और तकनीक में सहयोग बढ़ाने पर जोर- संयुक्त प्रेस वार्ता से पहले मोदी और टस्क ने हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता की। इसमें भारत-पोलैंड संबंधों की समीक्षा की गई और व्यापार, रक्षा, तकनीक समेत कई अहम क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के रास्तों पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं की मौजूदगी

में कई महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान-प्रदान भी हुआ। पीएम मोदी को दोस्त कहने पर गर्व टस्क-पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना दोस्त कहने पर गर्व है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में मोदी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता के दौरान टस्क ने कहा कि भारत और पोलैंड के बीच हितों का कोई टकराव नहीं है। उन्होंने वैश्विक मामलों में भारत की भूमिका पहुंचकर महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि-प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात से पहले डोनाल्ड टस्क ने गुरुवार सुबह राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने राष्ट्रपिता की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। टस्क के बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर नई दिल्ली पहुंचे थे। उनके साथ पोलैंड के वित्त एवं अर्थव्यवस्था मंत्री आंद्रेज डोमान्स्की और कारोबारी प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है।

जयशंकर से मुलाकात में भी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा-विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को पोलैंड के प्रधानमंत्री से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने विभिन्न क्षेत्रों में भारत-पोलैंड सहयोग को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, %पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क से मुलाकात करके खुशी हुई। भारत-पोलैंड के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर उनके विचारों की सराहना की। भारत में पोलैंड के पूर्व राजदूत एडम बुराकोव्स्की के मुताबिक, दोनों देश सालाना द्विपक्षीय व्यापार को करीब छह अरब डॉलर से बढ़ाकर 10 अरब डॉलर तक पहुंचाना चाहते हैं। उन्होंने कारोबार को बढ़ावा देने में कंपनियों के बीच साझेदारी और कारोबारी मंचों की भूमिका को अहम बताया। बुराकोव्स्की ने रक्षा और अंतरिक्ष तकनीक को भी सहयोग के प्रमुख क्षेत्र बताया। उनके अनुसार, भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौता आर्थिक संबंधों को विस्तार देने में मदद कर सकता है। भारत यात्रा के दौरान टस्क नई दिल्ली में भारत-पोलैंड बिजनेस फोरम में हिस्सा लेंगे। इसके बाद 23 अक्टूबर को वह बेंगलुरु जाएंगे, जहां भारत के सूचना प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष क्षेत्रों से जुड़े नेताओं के साथ बातचीत करेंगे। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की वार्ता में क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान होना है।

2010 के बाद पोलिश प्रधानमंत्री की पहली भारत यात्रा-भारत और पोलैंड ने अगस्त 2024 में प्रधानमंत्री मोदी की पोलैंड यात्रा के दौरान अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया था। टस्क का मौजूदा दौरा 2010 के बाद किसी पोलिश प्रधानमंत्री की पहली भारत यात्रा है। भारत के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस यात्रा से दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को नई गति मिलने और लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को और मजबूत करने की उम्मीद है।

राम मंदिर चंदा विवाद: रमेश बोले- भाजपा-आरएसएस का सपना, चंदे का माल अपना; पीएम मोदी को भी घेरा

राम मंदिर में चंदे की कथित चोरी और ट्रस्ट से जुड़े जमीन के सौदों को लेकर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर हमला बोला है। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि दो करोड़ रुपये में खरीदी गई जमीन पांच मिनट बाद ट्रस्ट को 18.5 करोड़ रुपये में बेची गई और जांच रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं हुई। कांग्रेस ने चढ़ावे का पूरा हिसाब जारी करने और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। राम मंदिर में चंदे की कथित चोरी को लेकर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर निशाना साधा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि मंदिर में चढ़ावे की चोरी ही नहीं हुई, बल्कि मंदिर निर्माण के लिए देशभर के करोड़ों लोगों से जुटाए गए हजारों करोड़ रुपये के चंदे में भी हेराफेरी की गई। उन्होंने भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद पर तंज कसते हुए कहा, 'भाजपा, आरएसएस, वीएचपी



का सपना, चंदे का माल अपना।' कांग्रेस सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री से हमारा सीधा सवाल है कि आपकी नाक के नीचे चंदे की यह चोरी हुई, तो आपने मौन सहमति देकर इस पाप में भागीदार बनना क्यों चुना? %जमीन के सौदे में पांच मिनट के भीतर कीमत कैसे बढ़ी?%-जयराम रमेश ने राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े जमीन के सौदों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि क्या यह सही नहीं है कि उस दिन शाम 7-10 बजे तिवारी और अंसारी ने कुसुम पाठक से जमीन दो करोड़ रुपये में खरीदी थी। इसके महज पांच मिनट बाद, शाम 7-15 बजे, उसी जमीन को ट्रस्ट ने

चंपत राय के माध्यम से 18.5 करोड़ रुपये में खरीद लिया। रमेश ने सवाल किया कि आखिर पांच मिनट के भीतर जमीन की कीमत में इतनी बड़ी बढ़ोतरी कैसे हो गई? उन्होंने इसे कथित लूट बताते हुए इस सौदे पर जवाब मांगा। कांग्रेस नेता ने दोनों रजिस्ट्री के गवाहों को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या दोनों दस्तावेजों में गवाह तत्कालीन भाजपा महापौर ऋषिकेश उपाध्याय और ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ही थे। रमेश ने यह भी सवाल किया कि 2021 की जांच रिपोर्ट पांच साल बाद भी सार्वजनिक क्यों नहीं की गई है। उन्होंने पूछा कि जमीन के इन सौदों की जांच कर रही विशेष जांच टीम के नतीजे आखिर कब सामने आएंगे। कांग्रेस का आरोप है कि विपक्ष की ओर से लगातार सवाल उठाए जाने और भाजपा, आरएसएस तथा वीएचपी से जुड़े लोगों पर आरोप लगाने के बावजूद न तो जांच के नतीजे सामने आए और न ही कार्रवाई की गई।

आजम से मुलाकात के बाद अखिलेश का बड़ा बयान, बोले- जल्द मिलेगा न्याय, जनता BJP को सबक सिखाएगी

रामपुर जिला कारागार में सपा प्रमुख ने की आजम खान से मुलाकात, स्टूक्र को लेकर भी उठाए सवाल; बोले- उम्मीद है चुनाव आयोग वोटर लिस्ट ठीक करेगा-सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को रामपुर जिला कारागार में आजम खान से मुलाकात की। उन्होंने आजम खान को स्वस्थ बताया और जल्द न्याय मिलने की उम्मीद जताई। साथ ही भाजपा पर निशाना साधते हुए स्टूक्र के तहत मतदाता सूची में कथित धांधली का मुद्दा उठाया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को रामपुर जिला कारागार में पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान से मुलाकात की। मुलाकात के बाद उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि रामपुर में रामराज की भावना को कुचल दिया गया है। जनता भाजपा को सबक सिखाएगी। अखिलेश यादव ने आजम खान के स्वास्थ्य को लेकर कहा कि वह पूरी तरह स्वस्थ हैं और उन्हें जल्द न्याय मिलने की उम्मीद है। अखिलेश यादव ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि स्टूक्र के नाम पर धांधली हो रही थी, जिसकी पोल खुल चुकी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि चुनाव आयोग मतदाता सूची को दुरुस्त करेगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव गुरुवार दोपहर



करीब 1=40 बजे रामपुर पहुंचे। उनका हेलीकॉप्टर जौहर विश्वविद्यालय परिसर में बने हेलीपैड पर उतरा। यहां आजम खान की पत्नी तंजीन फातिमा, उनके बड़े बेटे अदीब आजम, सपा जिलाध्यक्ष, नगर अध्यक्ष समेत पार्टी के अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद अखिलेश यादव कार से रामपुर जिला कारागार के लिए रवाना हो गए। उनके साथ आजम खान के बड़े बेटे अदीब आजम भी मौजूद रहे। जिला कारागार में अखिलेश यादव और आजम खान के बीच करीब 45 मिनट की मुलाकात का कार्यक्रम तय था। मुलाकात के दौरान आजम खान के स्वास्थ्य और राजनीतिक हालात को लेकर चर्चा को अहम माना जा रहा है। हालांकि, बातचीत के विस्तृत ब्योरे की जानकारी सामने नहीं आई है। जेल में

मुलाकात के बाद अखिलेश यादव के आजम खान के आवास पर जाने का भी कार्यक्रम था। उनका आवास जिला कारागार के नजदीक स्थित है। अखिलेश यादव ने स्टूक्र को लेकर कहा कि धांधली की पोल खुल चुकी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि चुनाव आयोग मतदाता सूची में सुधार करेगा। उनके इस बयान को उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर चल रही राजनीतिक बहस से जोड़कर देखा जा रहा है। रामपुर दौरे के दौरान अखिलेश यादव ने आजम खान के समर्थन में बयान देते हुए न्याय मिलने की उम्मीद जताई और भाजपा पर भी निशाना साधा। उनके इस दौर को सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान के साथ पार्टी नेतृत्व की एकजुटता के संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

इंस्टाग्राम पर आई सोनिया गांधी: अपनी किताब बिलॉन्गिंग के साथ शेयर किया पहला पोस्ट

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी किताब 'बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव' की पहली झलक साझा की। 10 नवंबर को प्रकाशित होने वाला यह संस्मरण उनके बचपन, राजीव गांधी से प्रेम, निजी दुखों और भारत से जुड़ाव की कहानी बयां करेगा। कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम से जुड़ गईं। उन्होंने अपना पहला वीडियो शेयर किया, जिसमें उनकी आने वाली किताब बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव की पहली झलक दिखाई गई है। सोनिया गांधी ने पहली पोस्ट में क्या लिखा? -अपनी पहली इंस्टाग्राम पोस्ट में, सोनिया गांधी ने किताब की पहली झलक शेयर करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, नमस्ते सभी को, आप सभी के साथ इस पल को साझा करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है; पेश है मेरी किताब बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव की पहली झलक। वहीं, वीडियो में सोनिया किताब के पन्ने पलटते हुए वह नजर आ रही हैं। इस बीच किताब में प्रियंका गांधी की तस्वीरों वाला पेज खुलता है, जिसे देखकर सोनिया कहती हैं, 'बहुत सारी तस्वीरें' हैं, प्रियंका। सोनिया गांधी ने आगे पोस्ट में लिखा, यह प्यार, कर्तव्य, नुकसान और अपनापन खोजने की कहानी है। मैं इसे आपके साथ साझा करने के लिए उत्सुक हूं। यह संस्मरण सोनिया गांधी के सफर को बयां करता है।

दलेर मेहंदी को मंच पर फटकारने का मामला गरमाया, सीएम बोले- मीका और दलेर भाई से मैं खुद करुंगा बात

कुंजापुरी मेले में गायक दलेर मेहंदी को मंच पर फटकार लगाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि वह खुद मीका और दलेर मेहंदी से बात करेंगे। इस मामले में बॉलीवुड कलाकारों के बयान भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि वह गायक दलेर मेहंदी और मीका सिंह से बात करेंगे। भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्यमंत्री ने दलेर मेहंदी प्रकरण पर यह बात कही। कुंजापुरी मेले में गायक दलेर मेहंदी को मंच पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने फटकार लगाई थी। इसके बाद इस



मामले को लेकर विरोध शुरू हो गया। सोशल मीडिया पर अभिनेता अनुपम खेर और राजपाल यादव के बयान भी वायरल हो रहे हैं। अनुपम खेर ने कहा कि वह दलेर मेहंदी को 25 से 30 साल से जानते हैं और वह बड़े कलाकार हैं। वह कार्यक्रम में मौजूद नहीं थे। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि दलेर मेहंदी ने लिपिंग की हो। पिछले दो-तीन साल से

उनकी तबीयत ठीक नहीं है। कार्यक्रम में प्रस्तुति देने के लिए वह अपने वादे के अनुसार पहुंचे होंगे, लेकिन सार्वजनिक रूप से आरोप लगाना ठीक नहीं है। सोशल मीडिया पर वायरल बयान में राजपाल यादव ने कहा कि मंच पर किसी गायक के लिए ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करना शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा कि कला को खरीदा नहीं जा सकता। कला जीवन है और जीवन का सम्मान होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दलेर मेहंदी शराब नहीं पीते और उनका स्वास्थ्य खराब चल रहा है। विवाद पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल का बयान भी सोशल मीडिया पर वायरल हो

रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें लगा था कि दलेर मेहंदी नशे में हैं, लेकिन उन्हें नहीं पता था कि वह किस चीज का नशा था।। मेडिकल नहीं कराया जा सकता। बाद में उन्हें बताया गया कि दलेर मेहंदी की तबीयत खराब थी। उनियाल ने कहा कि यदि उनकी तबीयत ठीक नहीं थी तो कार्यक्रम में मौजूद लोगों को इसकी जानकारी देनी चाहिए थी या कार्यक्रम में नहीं आना चाहिए था। उनके अनुसार, कार्यक्रम में आने के लिए 35 लाख रुपये दिए गए थे और होटल में ठहरने की अलग से व्यवस्था की गई थी। उन्होंने कहा कि उनका मकसद संगीत को बदनाम करना नहीं था,

संपादकीय Editorial

Their Margins

Himachal's political awareness has been limited to the social manifestation of electoral maneuvers, while its political history has been known and studied through the names of Chief Ministers. More or less, every Chief Minister has displayed their own political thinking and developed their own ideological school. It is a different matter that circumstances, possibilities, power struggles, societal expectations, and national political developments have challenged any Chief Minister to create a political narrative that works in their favor. This has continued from the first Chief Minister, Y.S. Parmar, to the current Chief Minister, Sukhwinder Singh Sukhu. However, the difference today is that governments have begun to portray the situation within a five-year term. Thus, long-term thinking has begun to decline. Y.S. Parmar wanted to integrate Himachal's mountain identity and create a cultural, social, and economic base that would be integrated into Himachal's history. Himachal was then developing a horticulture university in Solan, industrial production in Parwanoo, and the capital city of Shimla. The Parmar government had its own set of limitations, so it was unable to present agriculture as a parallel to horticulture. He failed to expand the "Aan Milo" influence of Punjab's mountainous regions. Consequently, a void was left, to be filled by the first appearance of the politics of resentment, which, for the first time, led to the formation of an opposition government. Shanta Kumar was a Chief Minister who, ideologically, was reconciling the state's fundamental character with morality. His attempts to create a disciplined state by drawing Lakshman Rekha (the Lakshman Rekha) created internal conflict. For his strict oversight of power during two two-and-a-half-year terms, he remains historically acclaimed, but his style was not accepted in practical politics. His true model of political thinking never emerged, yet, whenever a Chief Minister takes a bold decision, the benchmark for comparison is often appreciated in this context. Shanta Kumar instilled a vision for self-reliance in the state. This is why, for the first time, the right to free electricity through power generation provided relief to the treasury. The need for economic thinking has revealed its own models in governments ranging from Prem Kumar Dhumal to Sukhwinder Singh Sukhu. New initiatives and voices for Himachali rights have risen, but in the meantime, debates have emerged that have targeted geopolitical issues. Virbhadra Singh's era began on a path of confrontation in the Shimla landscape, but through the principle of emotional unity, he provided geopolitical space with a more equal footing. This movement continued from the Chief Minister's winter residence to the winter session of the Assembly, and the establishment of a government seat in Dharamshala. However, many ironies and priorities emerged in their own ways. Virbhadra Singh was generous in outlining the entire state's development model, but Himachal was forced to become indebted due to economic constraints. The Chief Minister himself became the drafter of development expectations, and today, cuts are being made in the quest for irrelevant development. As Chief Minister, Prem Kumar Dhumal dreamed big about connectivity, and today, this movement has reached four-lane roads. He continued to chart economic and environmental solutions by initiating schemes.

Public interest should be paramount.

The Bombay High Court rightly stated that peaceful protest is a fundamental right. While all protesters claim their demonstrations are peaceful, they often resort to tactics that cause public inconvenience. The Bombay High Court called for background checks on protesters. Protests should not cause inconvenience to the general public. The judiciary should establish clear protocols for demonstrations. The Bombay High Court's observation on the eve of Vijayadashami is as important as it is worthy of implementation: background checks on protesters and ensuring that protests do not cause inconvenience to the general public. It made this observation because some petitions complained that the police were unduly harsh towards protesters. The Bombay High Court's refusal to direct the police to refrain from using force in response to their demand

demonstrates that the protests in Mumbai were not peaceful and caused inconvenience to the public. The High Court rightly stated that peaceful protest is a fundamental right. Although all protesters claim their protests are peaceful, they often resort to tactics that inconveniencing the public. They block traffic and scuffle with the police. The CJP is employing similar tactics, and this is precisely what led to widespread violence during its Parliament march in Delhi. A large number of police personnel, along with protesters, were injured. It should not be overlooked that CJP supporters insist on having their demands met at all costs, and now they are openly calling for a regime change. Regime change does not mean a change of power through elections, but rather a coup through chaos and anarchy. Ironically, the Congress party is unabashed in standing with those calling for regime change. The fact is that it too has staged

protests in a manner that has caused inconvenience to the public. It is doubtful that the Bombay High Court's observations will be taken seriously by those protesters who employ such methods of harassment. In such a situation, the judiciary should not only emphasize the need for peaceful protests, but also issue directives that enable the police to take strict action against those creating anarchy and protect the common people from inconvenience. It would be appropriate for the judiciary to prioritize the establishment of a clear protocol for protests, as illegal activities that disrupt public life and disrupt the atmosphere under the guise of peaceful protests are on the rise. It is the need of the hour for the judiciary to protect the rights of peaceful protest and also to protect the common people from the hardships caused by their misuse, as public interest is often ignored.

Europe Heading Toward a Major Crisis



Europe's problems aren't limited to law and order, but also have deeper economic and political causes. The violence in France has exposed Europe's deep social discontent. Economic difficulties, inflation, and inequality are the primary causes. Governments must address fiscal balance and social needs. Europe is currently facing deep social discontent due to economic difficulties, rising inequality, and political polarization. This was evident in the widespread violence that erupted in France recently. Protests that began as protests against the lack of facilities in schools and the declining quality of public services gradually transformed into a broader movement against inflation, the housing crisis, and the decline in living standards for ordinary people. Incidents of violence, arson, and looting transformed the entire movement. Shops, restaurants, and public buildings were targeted. In addition to France, reports of protests and violent incidents have also emerged in Italy, Belgium, Portugal, and Albania. This clearly

demonstrates that Europe's problems aren't limited to law and order, but have deeper economic and political causes. President Emmanuel Macron has promised strict action against the perpetrators. However, if the government considers the protests merely a law and order problem, it will ignore the economic and social reasons that prompted such large crowds to take to the streets. This discontent also has its roots in the growing gap between ordinary citizens' expectations and their economic situation. Inflation, inadequate wages, expensive housing, and the declining quality of public services have increased uncertainty about the future, especially among young people. When education appears unable to guarantee a better future and even employment fails to provide a dignified life, discontent is not limited to a single government policy. It can gradually turn

into distrust of the political system and institutions. Therefore, the government must clearly distinguish between those resorting to violence and those peacefully making demands. Rising public debt and government borrowing costs have increased pressure on France to control the budget deficit. Parliament has begun deliberating on the 2027 budget, which proposes deficit-reduction measures of approximately 43 billion euros. However, reducing spending on education, welfare programs, and other essential services could further exacerbate public discontent. On the other hand, increasing government spending without adequate financial resources could undermine financial stability and investor confidence. The market's response also reflects the severity of the crisis. Pressure on French government bonds increased, the euro weakened, and the French stock market performed poorly

compared to European markets. If political instability persists for a prolonged period, investment could be affected. Consumer confidence will weaken. Businesses could suffer additional losses. Small shopkeepers, in particular, will find it difficult to recover from the losses caused by the violence. The economic insecurity that sparked the protests could be exacerbated by the violence. Along with the economic crisis, political polarization is also worsening the situation in France. President Macron's term is coming to an end, and political competition has intensified with the presidential elections scheduled for approximately six months. Deep divisions between the three major political factions in Parliament are making it difficult for a government to reach consensus. Right-wing leader Marine Le Pen is highlighting the government's law and order failures, while left-wing

leader Jean-Luc Mélenchon is criticizing the role of the government and police. The political cooperation needed to resolve the crisis is being replaced by accusations and counter-accusations. The events in France are having an impact across Europe. Demonstrations and clashes have also occurred in Italy, Belgium, and Portugal, while protests are being planned in Spain over housing and salary issues. Anti-government and student movements have also taken a violent turn in Albania. While the political situations in these countries differ, they share common issues: inflation, rising housing costs, low wages, and dissatisfaction with government policies. Rising energy prices due to the conflict between the United States and Iran have put additional pressure on family budgets. Weak economic growth is preventing people's incomes from meeting essential expenses. With elections scheduled in several European countries in the coming months, the combination of economic discontent and political competition could become even more dangerous. If traditional parties

fail to offer concrete solutions to the public, extremist forces may gain support. Parties claiming to offer simple solutions to complex economic problems may exploit public frustration. This could increase political polarization and make governing based on coalitions and consensus more difficult. Overall, the French crisis is a warning for all of Europe. The stability of democracy depends not only on the competence of the police and administration; it also requires the trust of citizens. Maintaining law and order is essential, but affordable housing, quality education, respectable employment, and reliable public services are equally important. European governments must balance social needs with fiscal discipline. If they fail to bridge the growing gap between public expectations and real-life conditions, political polarization and social unrest will increase. The social unrest could deepen. The real challenge facing Europe is not just restoring peace on the streets, but re-establishing citizens' faith in democratic institutions and a better future.

आजम थे, हैं और रहेंगे: जेल में मुलाकात के बाद अखिलेश बोले- किसी भी राजनीतिक परिवार ने इतना अन्याय नहीं झेला

अखिलेश ने भारतीय जनता पार्टी पर आजम खां के खिलाफ झूठे मामले दर्ज करने का आरोप लगाया। साथ ही इस मुलाकात को भावनात्मक रिश्ता बताया। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई।समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रामपुर जेल में पार्टी नेता आजम खां से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। अखिलेश ने कहा आजम थे, आजम हैं और आजम रहेंगे। किसी भी परिवार ने और खास तौर पर किसी राजनीतिक परिवार ने, उतना अन्याय नहीं

झेला है जितना कि आजम खां के परिवार ने झेला है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि आजम खां के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए हैं। इन झूठे मामलों के कारण उन्हें कई साल जेल में बिताने पड़े हैं। यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर शिक्षा और ज्ञान की परवाह न करने का आरोप लगाया। जेल में दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। मुलाकात के दौरान आजम खान के स्वास्थ्य और उनकी स्थिति को लेकर चर्चा हुई। अखिलेश यादव ने आजम खां से व्यक्तिगत जुड़ाव का उल्लेख करते हुए इस मुलाकात को भावनात्मक रिश्ता



बताया। सत्य को हमेशा के लिए कैद करने की शक्ति नहीं होती- अखिलेश अखिलेश यादव ने जोर देकर कहा कि झूठे मामलों में सत्य को हमेशा के लिए कैद करने

की शक्ति नहीं होती। उन्होंने स्वीकार किया कि इसमें कुछ समय या देरी लग सकती है। लेकिन उनका मानना है कि झूठे आरोप सत्य को बंदी नहीं बना सकते। अखिलेश ने यह भी कहा

कि यह उनकी पहली रामपुर यात्रा नहीं है। उन्होंने रामपुर के साथ अपने राजनीतिक और भावनात्मक रिश्ते को भी बताया। मुलाकात के निकाले जा रहे थे मायने अखिलेश के इस बयान को दोनों नेताओं के बीच संबंधों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आजम खान समाजवादी पार्टी के संस्थापक नेताओं में शामिल रहे हैं। रामपुर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में उनकी अहम भूमिका रही है। ऐसे में जेल में अखिलेश यादव की उनसे मुलाकात को पार्टी के भीतर संबंधों और आगामी

राजनीतिक परिस्थितियों के संदर्भ में भी देखा जा रहा है।अखिलेश ने जौहर यूनिवर्सिटी का नाम लेकर सरकार पर बोला हमला- अखिलेश ने कहा, सच तो यह है कि भारतीय जनता पार्टी को शिक्षा या ज्ञान से कोई लेना- देना नहीं है। उन्हें विश्वविद्यालयों की भी कोई परवाह नहीं है। विश्वविद्यालय को तो पूरी तरह से बर्बाद कर दिया गया है। इसे नष्ट करने के लिए जो साजिशें रची गईं, वे ऐसी हैं कि शायद किसी भी सरकार ने यहां तक कि किसी तानाशाही सरकार ने भी शिक्षा के क्षेत्र में इतनी तबाही नहीं मचाई होगी

प्रेमी के इनकार पर युवती ने खाया जहर: अंगूठी की रस्म के बाद शादी से किया मना, लड़की ने जान देने की कोशिश की

शादी से इनकार व पुलिस कार्रवाई न होने से क्षुब्ध लखनऊ की युवती ने कोतवाली में विषाक्त पदार्थ खाया। अस्पताल में भर्ती कर प्राथमिकी दर्ज हुई, जांच जारी है। प्रेम संबंध और अंगूठी की रस्म के बाद शादी से इन्कार करने के मामले में कार्रवाई की मांग कर रही लखनऊ के बखलिया मोहनलाल निवासी युवती ने बुधवार को शाहबाद कोतवाली परिसर के शौचालय में विषाक्त

पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर पुलिसकर्मियों में अफरा-तफरी मच गई। महिला सिपाही उसे ई-रिक्शा से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंची। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।युवती के अनुसार, करीब डेढ़ साल पहले सोशल मीडिया पर शाहबाद के भीतरगांव निवासी कुंवरजीत मोर्य से

उसकी दोस्ती हुई थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गए। जुलाई 2025 में युवक अपने परिजनों के साथ लखनऊ पहुंचा था, जहां अंगूठी पहनाकर रिश्ता तय किया गया था। बाद में युवती को कुंवरजीत की दूसरी जगह सगाई होने की जानकारी मिली तो उसने विरोध किया। आरोप है कि युवक ने उससे शादी करने से इन्कार कर दिया।युवती का कहना है कि वह कुंवरजीत से शादी करना चाहती है, लेकिन

लखनऊ और रामपुर पुलिस की ओर से कार्रवाई नहीं की जा रही है। उसने बताया कि 12 जून को भी वह शिकायत लेकर शाहबाद कोतवाली पहुंची थी। उस समय मामला लखनऊ से संबंधित बताकर वहीं शिकायत करने को कहा गया था। युवती के मुताबिक, इस घटना के बाद उसके परिजनों ने भी उससे संबंध तोड़ लिए हैं। वह मानसिक तनाव में है और मुरादाबाद के एक बैंक में रिकवरी

संबंधी काम कर रही है।बुधवार को युवती फिर कोतवाली पहुंची। कार्रवाई न होने से क्षुब्ध होकर उसने परिसर के शौचालय में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर पुलिसकर्मी उसे तत्काल अस्पताल ले गए। कोतवाल धनंजय सिंह ने बताया कि लखनऊ निवासी युवती शिकायत लेकर आई थी। उसने कोतवाली के बाहर कोई पदार्थ खा लिया था। उसे तत्काल

सीएचसी भिजवाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। युवती की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस जांच कर कार्रवाई करेगी।मामला संज्ञान में आया है। युवती एक युवक से शादी करना चाहती है। लेकर विवाद है। रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच कराई जा रही है। जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। - अनुराग सिंह, एएसपी

न्यूजीलैंड के बाजार में 0 आयात शुल्क पर मिलेगा प्रवेश, पीतल और धातु उत्पादों को मिलेगी नई पहचान

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते के तहत मुरादाबाद के हस्तशिल्प निर्यातकों को न्यूजीलैंड में शून्य शुल्क पर अपने उत्पाद बेचने का नया अवसर मिला है।भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता 20 अक्टूबर से प्रभावी। भारतीय उत्पादों को न्यूजीलैंड में शून्य आयात शुल्क।- मुरादाबाद हस्तशिल्प निर्यातकों को नए बाजार का अवसर।अमेरिका में शुल्क संबंधी अनिश्चितताओं के बीच मुरादाबाद के हस्तशिल्प निर्यातकों के लिए न्यूजीलैंड का बाजार नई संभावना लेकर आया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता 20

अक्टूबर से लागू हो गया है।इसके तहत भारतीय उत्पादों को न्यूजीलैंड में शून्य आयात शुल्क पर प्रवेश देने का प्रविधान है। इससे मुरादाबाद के पीतल, धातु सजावटी सामान, घरेलू सजावट के उत्पाद और उपहार सामग्री बनाने वाली इकाइयों को नए बाजार में प्रतिस्पर्धा का अवसर मिलने की संभावना बढ़ गई है। मुरादाबाद का हस्तशिल्प उद्योग मुख्य रूप से अमेरिका और यूरोप के बाजारों पर निर्भर रहा है। ऐसे में न्यूजीलैंड जैसे बाजार में कारोबार बढ़ाने से निर्यातकों को अपने ग्राहक आधार का विस्तार करने का अवसर मिल सकता है। यदि शुल्क में छूट का लाभ विदेशी



ग्राहक तक पहुंचता है तो भारतीय उत्पादों की कीमत प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद मिल सकती है।यंग एंटर प्रिंयोर सोसायटी

के अध्यक्ष जेपी सिंह के अनुसार, इससे नए आर्डर हासिल करने की संभावना भी बढ़ सकती है। पीतल और अन्य धातुओं

से बने सजावटी उत्पादों के मामले में वास्तविक लाभ जानने के लिए संबंधित उत्पाद की सीमा शुल्क श्रेणी, न्यूजीलैंड में पहले

लागू आयात शुल्क और नए समझौते की शर्तों की पुष्टि जरूरी होगी। केवल समझौता लागू होने के आधार पर हर उत्पाद की कीमत में समान कमी मानना सही नहीं होगा।मुरादाबाद हैंड्रीक्राफ्ट एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन अध्यक्ष नवेदुर्रहमान ने बताया कि अब मुरादाबाद के निर्यात क्षेत्र के सामने अहम सवाल यह है कि न्यूजीलैंड में शुल्कमुक्त प्रवेश का लाभ कितनी इकाइयां उठा पाएंगी और वहां से वास्तविक आर्डर कितने मिलेंगे। आने वाले महीनों में उत्पादवार निर्यात और नए आर्डर के आंकड़े ही इस समझौते से मिलने वाले वास्तविक लाभ की तस्वीर साफ होगी।

मुरादाबाद के सोनकपुर में आज से सजेगा कबड्डी का रण, 18 मंडलों की बेटियां दिखाएंगी दमखम

मुरादाबाद के सोनकपुर स्टेडियम में आज से राज्य स्तरीय जूनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता शुरू हो रही है। इसमें प्रदेश के 18 मंडलों से लगभग 300 खिलाड़ी हिस्सा लेंगी, जो 22 से 24 अक्टूबर तक मैट पर अपना दमखम दिखाएंगी।सोनकपुर स्टेडियम में राज्य स्तरीय जूनियर बालिका कबड्डी शुरू। 18 मंडलों की 300 खिलाड़ी 22 से 24 अक्टूबर तक खेलेंगी। खिलाड़ियों की सुरक्षा हेतु एंबुलेंस, दो डॉक्टर मौजूद रहेंगे।सोनकपुर स्टेडियम में आज से राज्य स्तरीय जूनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का आगाज होगा। प्रदेश के 18 मंडलों की करीब 300 खिलाड़ी मैट पर दमखम दिखाएंगी। 22 से 24 अक्टूबर तक चलने वाली प्रतियोगिता के लिए तैयारियां



पूरी कर ली गई हैं।गुरुवार सुबह 11 बजे उद्घाटन होगा। मुख्य अतिथि डीआईजी मुनीराज जी रहेंगे। पहले दिन चार मुकाबले खेले जाएंगे। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था रहेगी और जिला अस्पताल के दो डाक्टर भी मौजूद रहेंगे।प्रतियोगिता में

मेजबान मुरादाबाद की टीम भी अपनी चुनौती पेश करेगी। बुधवार को क्षेत्रीय खेल कार्यालय की ओर से जूनियर बालिका कबड्डी टीम के चयन के लिए मंडल स्तरीय ट्रायल कराया गया। इसमें प्रदर्शन के आधार पर मुरादाबाद की टीम का चयन किया गया। जारी सूची में 14 मुख्य खिलाड़ियों

और चार आरक्षित खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं। टीम मैनेजर की जिम्मेदारी आस्था को दी गई है।ठहरने के लिए कमरों में लगाए पांच से छह बेड-प्रदेश के अलग-अलग मंडलों से आने वाली खिलाड़ियों के ठहरने के लिए कमरों में पांच से छह बेड लगाए गए हैं। प्रतियोगिता के आयोजन को लेकर खेल विभाग ने जरूरी तैयारियां पूरी कर ली हैं। मैट पर होने वाले मुकाबलों में खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। प्रतियोगिता के दौरान स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को देखते हुए एंबुलेंस और दो चिकित्सकों की व्यवस्था भी की गई है। ट्रायल के दौरान क्रीड़ाधिकारी सुनील कुमार सिंह, मंडलीय कोच अंशु चौधरी,उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के संयुक्त सचिव डा. अजय

पाठक आदि मौजूद रहे। मुरादाबाद मंडल की जूनियर बालिका कबड्डी टीम- निक्की रानी, भूमिका, प्रियंका, उजाला, विनिशा, पूर्णिमा, स्वास्ति, धनिष्ठा, अर्चना, रुचि, जाह्नवी, अंविका, भव्या, नीलम चौहान आरक्षित खिलाड़ी- रोशनी, अमृत, तन्वु विश्नोई, जिया रानी मैं वर्ष 2022 से कबड्डी खेल रही हूं। कोलकाता के दमदम में आयोजित जूनियर नेशनल प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर चुकी हूं। अब आगे भी बेहतर प्रदर्शन कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन करना चाहती हूं। भूमिका सिंह, धामपुर, मैं रेडर के रूप में खेलती हूं। वर्ष 2022 में आगरा में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। इसके बाद 2023, 2024 और 2025 में लगातार तीन साल

मंडलीय स्तर की प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीते। आगे भी अच्छा प्रदर्शन करना मेरा लक्ष्य है।-स्वास्ति यादव, कांशीराम नगर,मैं डिफेंडर के रूप में खेलती हूं। वर्ष 2023, 2024 और 2025 में लगातार तीन साल मंडलीय स्तर की प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीते हैं। अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करना चाहती हूं। जाह्नवी अग्रवाल, नया मुरादाबाद मैं डिफेंडर के रूप में कबड्डी खेलती हूं। वर्ष 2023, 2024 और 2025 में लगातार तीन साल मंडलीय स्तर की प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीते हैं। अब राज्य स्तर पर भी अच्छा प्रदर्शन कर पदक जीतना मेरा लक्ष्य है। रोशनी जहां, हिमगिरी

संक्षिप्त समाचार

सुहागरात पर दुल्हन की हरकत से दूल्हा बेहोश: सुबह घबराहट में उठा युवक, सच सामने आने पर पैरों तले खिसकी जमीन

गंगाचोली में दिनेश कुमार से शादी के नाम पर धोखा हुआ। दूल्हा जब सुबह उठा तो उसे इस बात की जानकारी हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।यूपी के अमरोहा जिले के हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव गंगाचोली में शादी के नाम पर ठगी का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने बिचौलियों के साथ मिलकर साजिश रची और शादी की रात को ही पति को नशे की गोलियां देकर लाखों के आभूषण व अन्य सामान लेकर गायब हो गईं। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है और पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।गांव गंगाचोली निवासी दिनेश कुमार बुधवार शाम को कोतवाली पहुंचा और पुलिस को अपनी आपबीती सुनाई। दिनेश ने पुलिस को बताया कि उसने 19 अक्तूबर को पड़ोसी गांव की रहने वाली दो बच्चों की एक मां से धूमधाम से दूसरी शादी की थी। युवक की पहली शादी थी जबकि महिला की दूसरी शादी थी। सुहागरात पर दूध पीते ही सो गया दूल्हा-शादी से पहले उसे यह भरोसा दिलाया गया था कि महिला के पहले पति की मौत हो चुकी है। दिनेश ने दुल्हन को बड़े अरमानों और धूमधाम से घर में कदम रखवाया था, साथ ही उसे सोने-चांदी के कीमती आभूषण भी चढ़ाए थे। खुशियों का यह सफर बहुत छोटा साबित हुआ। दिनेश के मुताबिक, शादी के सुहागरात में ही दुल्हन ने रात को सोने से पहले उसे दूध में नशीला पदार्थ मिलाकर दे दिया। जैसे ही दिनेश ने वह दूध पिया, वह गहरी नींद में सो गया। इस मौके का फायदा उठाकर शातिर दुल्हन रात के सत्राटे में घर में रखे करीब पांच लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण व दस हजार रुपये लेकर चली गईं। हैरानी की बात यह है कि महिला अपने साथ जो दो बच्चे लाई थी, उन्हें भी अपने साथ ले गईं। घटना का खुलासा तब हुआ जब मंगलवार की सुबह दिनेश की आंख खुली और उसने घर का सामान बिखरा हुआ और दुल्हन को गायब पाया। घबराकर दिनेश तुरंत अपनी ससुराल पहुंचा, जहां उसे जो सच्चाई पता चली उसके पैरों तले जमीन खिसक गई।जांच में सामने आया कि महिला का पहला पति मरा नहीं है, बल्कि वह जीवित है। महिला और बिचौलियों ने मिलकर यह सोची-समझी साजिश के तहत धोखाधड़ी की इस घटना को अंजाम दिया था। फिलहाल, पुलिस इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश में जुट गई है। सीओ पंकज कुमार त्यागी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

यूपी में दो बेटियों के जन्म पर पति ने दिया तीन तलाक, मारपीट कर प्रेग्नेंट पत्नी को घर से निकाला

मुरादाबाद में दो बेटियों को जन्म देने और तीसरी बार गर्भवती होने पर हिना को पति ने तीन तलाक दिया। दो बेटियों के जन्म पर महिला को तीन तलाक दिया।गर्भवती हिना को ससुरालियों ने पीटा, गला घोटने की कोशिश की।पुलिस ने पति समेत आठ लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की। भैंसिया गांव निवासी हिना ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसकी शादी रामपुर जिले के टांडा क्षेत्र के चक जिम गांव निवासी रफी हसन से हुई थी।वैवाहिक जीवन में दो बेटियों को जन्म दिया। बेटियां पैदा होने के कारण पति और ससुराल के अन्य लोग उसे ताने देते थे। ससुरालियों ने पति का दूसरा निकाह कराने की धमकी देना शुरू कर दिया।15 सितंबर की रात करीब आठ बजे ससुराल वालों ने पीटा। उसके बाद दुपट्टे से गला घोटने की कोशिश की गई। आरोपितों ने धमकी दी कि इस बार भी लड़की पैदा हुई तो उसे जिंदा नहीं छोड़ेंगे। महिला मौजूदा समय में आठ माह की गर्भवती है। अगले दिन उसके पिता और भाई के पहुंचने पर पति ने तीन तलाक दिया और दोनों बेटियों समेत उसे घर से निकाल दिया। इस्पेक्टर शैलेंद्र कुमार ने बताया कि शिकायती पत्र के आधार पर आरोपित पति रफी के अलावा इकबाल, मुखरी, भूरी, अशफाक, बिलाल, फुरकान और खदीजा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991
knslslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

इय्यँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

असलील हरकत का विरोध करने पर महिला को पीटकर किया लहलुहान



@ क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी। गाली गलौज का विरोध करने पर गांव खरगा पुर की महिला को पीटकर आरोपी युवक ने लहलुहान कर दिया।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके पीड़ित घायल महिला को मेडिकल के लिए भेजा है।

फतेहगंज पश्चिमी। गाली गलौज का विरोध करने पर गांव खरगा पुर की महिला को पीटकर आरोपी युवक ने लहलुहान कर दिया।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके पीड़ित घायल महिला को मेडिकल के लिए भेजा है।

फतेहगंज पश्चिमी। गाली गलौज का विरोध करने पर गांव खरगा पुर की महिला को पीटकर आरोपी युवक ने लहलुहान कर दिया।

फतेहगंज पश्चिमी। गाली गलौज का विरोध करने पर गांव खरगा पुर की महिला को पीटकर आरोपी युवक ने लहलुहान कर दिया।

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (ब्यूरो)। भुता क्षेत्र के डंडिया नवाजिश अली गांव में गन्ने के खेत किनारे लावारिस हालत में मिला नवजात अब पूरी तरह स्वस्थ है। 12 अक्टूबर को ग्रामीण पप्पू की सूचना पर पुलिस और चाइल्ड हेल्पलाइन ने बच्चे को गंभीर हालत में बदायूं राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। डॉक्टरों की कड़ी देखरेख के बाद अब उसे अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद बच्चे को बाल कल्याण समिति (CWC) के समक्ष पेश किया गया। अध्यक्ष दिनेश चंद्र और सदस्यों-डॉ. शीला सिंह, डॉ. रश्मि व डॉ. राखी चौहान-ने नवजात को सिद्धार्थ नाम दिया। चाइल्ड हेल्पलाइन टीम प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर सनो

शिक्षक एमएलसी चुनाव: बिजनौर में सर्वाधिक, रामपुर जिले में सबसे कम मतदाता, आज 105 बूथों पर होगा मतदान

बरेली। (ब्यूरो)। बरेली-मुरादाबाद खंड से शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर शुरुवार को होने वाले मतदान के लिए तैयारियां पूरी हो गई हैं। आज 23 अक्टूबर को 105 बूथों पर 47699 शिक्षक मतदाता मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इसमें सर्वाधिक 8442 मतदाता बिजनौर में तो सबसे कम 3226 मतदाता रामपुर में हैं। कहा कि तने मतदाता करेंगे मतदान-अमरोहा में सात बूथों पर 5814, संभल के सात बूथों पर 3497, बदायूं के 10 बूथों पर 3934, शाहजहांपुर में 14 बूथों पर 4825, रामपुर में छह



बूथों पर 3226 बिजनौर के 13 बूथों पर 8442, मुरादाबाद में 12 बूथों पर 7696, पीलीभीत में 11 बूथों पर 3502 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

पेश किया गया। अध्यक्ष दिनेश चंद्र और सदस्यों-डॉ. शीला सिंह, डॉ. रश्मि व डॉ. राखी चौहान-ने नवजात को सिद्धार्थ नाम दिया। चाइल्ड हेल्पलाइन टीम प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर सनो

शिक्षक एमएलसी चुनाव: बिजनौर में सर्वाधिक, रामपुर जिले में सबसे कम मतदाता, आज 105 बूथों पर होगा मतदान



चमकाने में व्यस्त है। उन्होंने लोकतंत्र और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए सभी पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों से भारी संख्या में भीड़ जुटाने के निर्देश दिए। महानगर अध्यक्ष दिनेश दत्ता ने कहा कि राहुल गांधी सड़क से संसद तक जनता के हक की लड़ाई लड़ रहे हैं, इसलिए हर कार्यकर्ता को पूरी ताकत झोंकनी होगी। उन्होंने देश के लोकतांत्रिक

शिक्षक एमएलसी चुनाव: बिजनौर में सर्वाधिक, रामपुर जिले में सबसे कम मतदाता, आज 105 बूथों पर होगा मतदान



बूथों पर 3226 बिजनौर के 13 बूथों पर 8442, मुरादाबाद में 12 बूथों पर 7696, पीलीभीत में 11 बूथों पर 3502 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

संजय कम्प्युनिटी हॉल से रवाना हुआ अमला, सुरक्षा के कड़े पहर में होगा शिक्षक-स्नातक MLC चुनाव

बरेली। (ब्यूरो) यूपी विधान परिषद (खंड स्नातक एवं शिक्षक) द्विवार्षिक चुनाव-2026 के लिए प्रशासनिक तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। गुरुवार को संजय कम्प्युनिटी हॉल परिसर से जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने पोलिंग पार्टियों को हरी झंडी दिखाकर मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया। रवानगी से पहले कार्मिकों को सख्त हिदायत देते हुए डीएम ने कहा कि चुनाव आयोग की गाइडलाइंस का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। सभी मतदान कर्मों पूरी निष्पक्षता, सजगता और जिम्मेदारी से ड्यूटी निभाएं;

बिना पंजीकरण चल रहे अस्पतालों पर नकेल : डीएम अविनाश सिंह ने दी सख्त चेतावनी –लापरवाही पर नपेंगे सीएचसी प्रभारी

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (ब्यूरो)। कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति और विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में डीएम ने स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाने के लिए निर्देश दिए कि जिले में एक भी अस्पताल बिना पंजीकरण संचालित नहीं होना चाहिए। ऐसा पाए जाने पर संबंधित सीएचसी प्रभारी के खिलाफ सीधी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। लापरवाहों पर गिरी गाज, ई-कवच के लिए 3 दिन की मोहलत-ई-संजीवनी की धोमी रफतार और सीएम डैशबोर्ड पर स्टाफ नर्सों के लंबित भुगतान पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधितों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश देते हुए ई-कवच पोर्टल के लंबित मामलों को 3 दिन के भीतर निपटाने का

गौकशी, नशा तस्करी और छिन्नैती के 5 गैंग पंजीकृत, 30 अपराधी पुलिस के रडार पर

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (ब्यूरो)। जनपद में संगठित अपराध पर शिकंजा कसने के लिए बरेली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गौकशी, मादक पदार्थों की तस्करी और छिन्नैती में सलिस पांच आपराधिक गैंग का पंजीकरण किया है। इन गैंगों में शामिल कुल 30 अपराधियों को चिह्नित किया गया है। पुलिस को इस कार्रवाई को जिले में संगठित अपराध पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

थाना इज्जतनगर, नवाबगंज, हाफिजगंज, फतेहगंज पश्चिमी और बारादरी से प्राप्त रिपोर्टों के

सुभाषनगर क्षेत्र में छह महीने की टशनबाजी का

खूनी अंत ! 11

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (ब्यूरो)। बरेली। थाना सुभाषनगर क्षेत्र के होली चौराहे पर पुरानी टशनबाजी को लेकर हुए हमले में संजय सक्सेना की मौत हो गई, जबकि उनका साथी मौनू सैनी घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, 22 अक्टूबर की रात करीब दो बजे दोनों ड्यूटी खत्म कर स्कूटी से घर लौट रहे थे, तभी आशीष गुर्जर, विकास श्रीवास्तव, धीरेंद्र



किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि केंद्र पर पहुंचते ही सबसे पहले चुनाव सामग्री का मिलान करें और आवश्यक व्यवस्थाएं जांच लें। शांतिपूर्ण मतदान के लिए केंद्रों पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और पुलिस बल

बिना पंजीकरण चल रहे अस्पतालों पर नकेल : डीएम अविनाश सिंह ने दी सख्त चेतावनी –लापरवाही पर नपेंगे सीएचसी प्रभारी



अल्टीमेटम दिया। इसके साथ ही बहेड़ी, जसौली और पुराना शहर सीएचसी में आशा कार्यकर्ताओं का बकाया भुगतान तत्काल जारी करने और आभा आईडी निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। दूषित पानी वाले हैंडपंपों पर लगेंगे लाल निशान संचारी रोगों की रोकथाम पर जोर देते हुए डीएम ने नवाबगंज क्षेत्र में विशेष सुधार के निर्देश दिए। ग्रामीण इलाकों में नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई और एंटी लार्वा छिड़काव सप्ताह में कम से कम एक बार जरूर हो। दूषित पानी उगल रहे हैंडपंपों को चिह्नित कर लाल

गौकशी, नशा तस्करी और छिन्नैती के 5 गैंग पंजीकृत, 30 अपराधी पुलिस के रडार पर

गौकशी, नशा तस्करी और छिन्नैती के 5 गैंग पंजीकृत, 30 अपराधी पुलिस के रडार पर

आधार पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक, संबंधित गैंग के सदस्य कथित तौर पर आर्थिक एवं भौतिक लाभ के उद्देश्य से गौकशी, मादक पदार्थों की तस्करी और छिन्नैती जैसे गंभीर अपराधों में संलग्न हैं। बरेली पुलिस ने गैंगों का पंजीकरण डी-324/26, डी-325/26, डी-326/26, डी-327/26 और डी-328/26 के तहत किया है। इनमें तीन गैंग गौकशी, एक गैंग मादक पदार्थों की तस्करी और एक गैंग छिन्नैती से संबंधित बताया गया है। सभी गैंगों का स्तर जनपदीय रखा गया है। गैंग लीडरों के रूप में मुन्ताछिर

सुभाषनगर क्षेत्र में छह महीने की टशनबाजी का

खूनी अंत ! 11

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (ब्यूरो)। बरेली। थाना सुभाषनगर क्षेत्र के होली चौराहे पर पुरानी टशनबाजी को लेकर हुए हमले में संजय सक्सेना की मौत हो गई, जबकि उनका साथी मौनू सैनी घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, 22 अक्टूबर की रात करीब दो बजे दोनों ड्यूटी खत्म कर स्कूटी से घर लौट रहे थे, तभी आशीष गुर्जर, विकास श्रीवास्तव, धीरेंद्र

किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि केंद्र पर पहुंचते ही सबसे पहले चुनाव सामग्री का मिलान करें और आवश्यक व्यवस्थाएं जांच लें। शांतिपूर्ण मतदान के लिए केंद्रों पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और पुलिस बल

बिना पंजीकरण चल रहे अस्पतालों पर नकेल : डीएम अविनाश सिंह ने दी सख्त चेतावनी –लापरवाही पर नपेंगे सीएचसी प्रभारी



अल्टीमेटम दिया। इसके साथ ही बहेड़ी, जसौली और पुराना शहर सीएचसी में आशा कार्यकर्ताओं का बकाया भुगतान तत्काल जारी करने और आभा आईडी निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। दूषित पानी वाले हैंडपंपों पर लगेंगे लाल निशान संचारी रोगों की रोकथाम पर जोर देते हुए डीएम ने नवाबगंज क्षेत्र में विशेष सुधार के निर्देश दिए। ग्रामीण इलाकों में नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई और एंटी लार्वा छिड़काव सप्ताह में कम से कम एक बार जरूर हो। दूषित पानी उगल रहे हैंडपंपों को चिह्नित कर लाल

गौकशी, नशा तस्करी और छिन्नैती के 5 गैंग पंजीकृत, 30 अपराधी पुलिस के रडार पर

गौकशी, नशा तस्करी और छिन्नैती के 5 गैंग पंजीकृत, 30 अपराधी पुलिस के रडार पर

आधार पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक, संबंधित गैंग के सदस्य कथित तौर पर आर्थिक एवं भौतिक लाभ के उद्देश्य से गौकशी, मादक पदार्थों की तस्करी और छिन्नैती जैसे गंभीर अपराधों में संलग्न हैं। बरेली पुलिस ने गैंगों का पंजीकरण डी-324/26, डी-325/26, डी-326/26, डी-327/26 और डी-328/26 के तहत किया है। इनमें तीन गैंग गौकशी, एक गैंग मादक पदार्थों की तस्करी और एक गैंग छिन्नैती से संबंधित बताया गया है। सभी गैंगों का स्तर जनपदीय रखा गया है। गैंग लीडरों के रूप में मुन्ताछिर

सुभाषनगर क्षेत्र में छह महीने की टशनबाजी का

खूनी अंत ! 11

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (ब्यूरो)। बरेली। थाना सुभाषनगर क्षेत्र के होली चौराहे पर पुरानी टशनबाजी को लेकर हुए हमले में संजय सक्सेना की मौत हो गई, जबकि उनका साथी मौनू सैनी घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, 22 अक्टूबर की रात करीब दो बजे दोनों ड्यूटी खत्म कर स्कूटी से घर लौट रहे थे, तभी आशीष गुर्जर, विकास श्रीवास्तव, धीरेंद्र

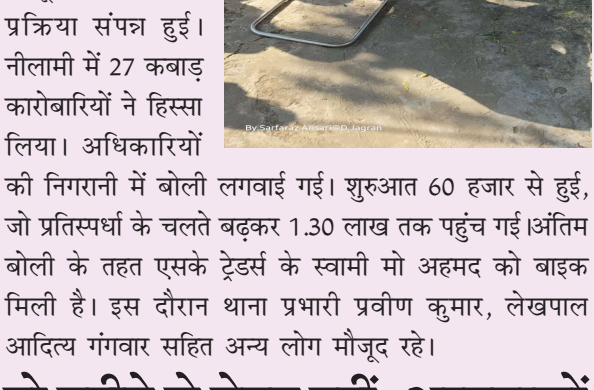
प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

थाने में खड़ी 34 पुरानी बाइकों की हुई नीलामी, 1.30 लाख में बिकीं

फतेहगंज पश्चिमी। थाना परिसर में लंबे समय से खड़ी 34 पुरानी मोटरसाइकिलों की नीलामी कराई गई। नीलामी 60 हजार रुपये से शुरू होकर 1 लाख 30 हजार रुपये में पूरी हुई। नायब तहसीलदार सिमरन मथनिया और सीओ हाईवे देवेश सिंह की मौजूदगी में नीलामी प्रक्रिया संपन्न हुई। नीलामी में 27 कबाड़ कारोबारियों ने हिस्सा लिया। अधिकारियों

बिना पंजीकरण चल रहे अस्पतालों पर नकेल : डीएम अविनाश सिंह ने दी सख्त चेतावनी –लापरवाही पर नपेंगे सीएचसी प्रभारी



अल्टीमेटम दिया। इसके साथ ही बहेड़ी, जसौली और पुराना शहर सीएचसी में आशा कार्यकर्ताओं का बकाया भुगतान तत्काल जारी करने और आभा आईडी निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। दूषित पानी वाले हैंडपंपों पर लगेंगे लाल निशान संचारी रोगों की रोकथाम पर जोर देते हुए डीएम ने नवाबगंज क्षेत्र में विशेष सुधार के निर्देश दिए। ग्रामीण इलाकों में नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई और एंटी लार्वा छिड़काव सप्ताह में कम से कम एक बार जरूर हो। दूषित पानी उगल रहे हैंडपंपों को चिह्नित कर लाल

सुभाषनगर क्षेत्र में छह महीने की टशनबाजी का

खूनी अंत ! 11

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (ब्यूरो)। बरेली में दो महीने से मानदेय नहीं मिलने से नाराज जिला अस्पताल और जिला महिला अस्पताल के आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों ने बृहस्पतिवार को कार्य बहिष्कार कर दिया। कर्मचारियों

के काम बंद करने से दोनों अस्पतालों की सफाई व्यवस्था प्रभावित हो गई। परिसर में जगह-जगह कूड़ा जमा होने से मरीजों और तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि समय पर मानदेय नहीं मिलने से परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो रहा है। उनका आरोप है कि भुगतान की समस्या को लेकर कई बार मांग पत्र दिए गए, लेकिन इसके बावजूद व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ। इसी से नाराज होकर कर्मचारियों ने बृहस्पतिवार को विरोध जताते हुए काम बंद कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने एक घंटे के भीतर सफाई कराने की बात कही। हालांकि, कर्मचारियों के बकाया मानदेय का भुगतान कब तक होगा, यह स्पष्ट नहीं किया गया।

जिला अस्पताल की ओपीडी में बड़ी महिलाओं की भीड़

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (ब्यूरो)। जिला अस्पताल में गुरुवार को ओपीडी में काफी भीड़ रही। खासकर महिला मरीजों की संख्या अधिक रही। पचा कांडर पर महिलाओं की लंबी कतार लगी रही। बीते दिनों त्यौहार की वजह से ओपीडी का संचालन प्रभावित हुआ था गुरुवार को ओपीडी खुली तो सुबह से ही मरीजों की लाइन लगनी शुरू हुई। खासकर महिला मरीजों की लाइन पचा कांडर से लेकर ओपीडी तक पहुंच गई। इसमें बुखार, खांसी के साथ ही पेट दर्द की समस्या वाले मरीजों की संख्या अधिक रही।

संजय को मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि दोनों पक्षों के बीच करीब छह महीने से विवाद चल रहा था। मृतक की बहन की सूचना पर पुलिस ने 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोपी विकास को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।



अल्टीमेटम दिया। इसके साथ ही बहेड़ी, जसौली और पुराना शहर सीएचसी में आशा कार्यकर्ताओं का बकाया भुगतान तत्काल जारी करने और आभा आईडी निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। दूषित पानी वाले हैंडपंपों पर लगेंगे लाल निशान संचारी रोगों की रोकथाम पर जोर देते हुए डीएम ने नवाबगंज क्षेत्र में विशेष सुधार के निर्देश दिए। ग्रामीण इलाकों में नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई और एंटी लार्वा छिड़काव सप्ताह में कम से कम एक बार जरूर हो। दूषित पानी उगल रहे हैंडपंपों को चिह्नित कर लाल

सुभाषनगर क्षेत्र में छह महीने की टशनबाजी का

खूनी अंत ! 11

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (ब्यूरो)। बरेली में दो महीने से मानदेय नहीं मिलने से नाराज जिला अस्पताल और जिला महिला अस्पताल के आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों ने बृहस्पतिवार को कार्य बहिष्कार कर दिया। कर्मचारियों

के काम बंद करने से दोनों अस्पतालों की सफाई व्यवस्था प्रभावित हो गई। परिसर में जगह-जगह कूड़ा जमा होने से मरीजों और तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सफाई कर्मचारियों का कहना है कि समय पर मानदेय नहीं मिलने से परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो रहा है। उनका आरोप है कि भुगतान की समस्या को लेकर कई बार मांग पत्र दिए गए, लेकिन इसके बावजूद व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ। इसी से नाराज होकर कर्मचारियों ने बृहस्पतिवार को विरोध जताते हुए काम बंद कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने एक घंटे के भीतर सफाई कराने की बात कही। हालांकि, कर्मचारियों के बकाया मानदेय का भुगतान कब तक होगा, यह स्पष्ट नहीं किया गया।

संजय को मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि दोनों पक्षों के बीच करीब छह महीने से विवाद चल रहा था। मृतक की बहन की सूचना पर पुलिस ने 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोपी विकास को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

जिला अस्पताल की ओपीडी में बड़ी महिलाओं की भीड़

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (ब्यूरो)। जिला अस्पताल में गुरुवार को ओपीडी में काफी भीड़ रही। खासकर महिला मरीजों की संख्या अधिक रही। पचा कांडर पर महिलाओं की लंबी कतार लगी रही। बीते दिनों त्यौहार की वजह से ओपीडी का संचालन प्रभावित हुआ था गुरुवार को ओपीडी खुली तो सुबह से ही मरीजों की लाइन लगनी शुरू हुई। खासकर महिला मरीजों की लाइन पचा कांडर से लेकर ओपीडी तक पहुंच गई। इसमें बुखार, खांसी के साथ ही पेट दर्द की समस्या वाले मरीजों की संख्या अधिक रही।

संजय को मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि दोनों पक्षों के बीच करीब छह महीने से विवाद चल रहा था। मृतक की बहन की सूचना पर पुलिस ने 11 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोपी विकास को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

@ क्यूँ न लिखूँ सच

हुसैन बृहस्पतिवार दोपहर हाईवे किनारे स्थित अपने खेत में पेड़ की छंटाय कर रहे थे। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वह पेड़ से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर टोल प्लाजा पर खड़ी एंबुलेंस की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलारी पहुंचाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल भेज दिया।

उपलब्ध कराई जाएगी। शिकायतकर्ता की मांग है कि शिकायत पर की गई कार्रवाई का स्पष्ट विवरण दिया जाए तथा संबंधित बैंकिंग रिकॉर्ड के आधार पर तथ्यों की निष्पक्ष जांच की जाए। यदि किसी स्तर पर अनियमितता पाई जाती है, तो नियमानुसार कार्रवाई की जाए। बैंक और संबंधित अधिकारियों का पक्ष इस खबर के प्रकाशन के समय तक संबंधित पक्ष का प्राधिकारिक जवाब उपलब्ध नहीं है। उनका पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

Can cracking your fingers or using your phone too much cause arthritis? An orthopedic surgeon reveals the truth.

Joint pain, swelling, stiffness, and difficulty walking... these are some of the symptoms that often scare us. Joint pain, swelling, stiffness, and difficulty walking are all common symptoms of arthritis, but did you know that this disease isn't the same for everyone? Yes, arthritis exists in many forms, so it's crucial to understand its symptoms correctly and get a proper diagnosis. Let's explore what people think about arthritis and what science actually says. Does cracking your fingers cause arthritis? Elders often discourage cracking their fingers, saying it will lead to joint disease. However, research has yet to prove a direct link between cracking your fingers and arthritis. Does excessive typing harm your joints? Nowadays, people constantly type messages on their phones and fear that this will cause arthritis in their finger joints. According to doctors, constant phone use can cause pain, tension, or temporary discomfort in the hands, but this does not necessarily mean that you have arthritis. It is important to understand the difference between short-term pain and a condition that requires medical attention. Is it only a disease of old age? A widespread myth is that arthritis is simply a part of aging and cannot be cured. While certain types of arthritis are more common in older people, young people can also suffer from it. The good news is that with proper treatment, its symptoms can be controlled and everyday tasks can be performed more easily. Does every arthritis patient need surgery? Many people panic at the mention of surgery. However, the truth is that not every arthritis patient needs surgery. Most people find significant relief with medication, physiotherapy, weight loss, and lifestyle changes. If, despite these measures, the pain becomes unbearable and interferes with daily activities, joint replacement surgery is considered. What is the best course of action? - The most important thing is to never ignore persistent joint pain and not to believe in hearsay or myths. If you have any problems, consult a doctor. The doctor can properly evaluate your symptoms and suggest the best treatment for you.



"You do it, I can't do it right." Does your partner also use this tactic to avoid chores? Deal with it like this.

Weaponized incompetence in a relationship increases mental and physical pressure on a partner. Perhaps you've ever asked your partner to fold clothes or change a baby's diaper, and they did it so poorly that you wouldn't ask them to do it again. It's true that not everyone is good at all tasks, but if they don't even try to improve or keep doing the same thing over and over again, it's not just carelessness. This is called weaponized incompetence. Many people use this tactic to avoid household chores or other tasks. Let's learn what it is and how to recognize it. What is weaponized incompetence? Weaponized incompetence means that a person deliberately performs even a simple task so poorly or slowly that the other person becomes irritated and doesn't even ask them to do it again. In a relationship, think of it like this: one partner is burdened with all the household responsibilities, while the other deliberately underperforms to avoid sharing. What impact can this have on the relationship? Initially, this may seem trivial or even considered carelessness, but in the long run, it weakens the relationship. Putting all the responsibilities on one person exhausts them physically and mentally. Furthermore, when one partner deliberately messes things up, the other partner's trust in them diminishes, and even when needed, they start looking for support from someone else instead of asking for it. This continued behavior can also lead to bitterness in the other partner, as they are left shouldering all the responsibilities alone, even though the house belongs to both of you. How to deal with this? The most important step is to calmly discuss it. Instead of blaming your partner, explain that leaving things incomplete or messing up puts more pressure on you. If they mess up, don't immediately start doing it yourself. Teach them the right method and let them complete the tasks themselves. Make a list of household chores and divide who will do what, and there will be no excuses.



Make a soft and royal sweet like a confectioner's using homemade bread; its taste will melt in your mouth!

If you're craving something sweet and tasty, you can make bread malai rolls using homemade bread. If you're craving something sweet at home but can't decide what to make, a bread malai roll is a great option. This dessert looks regal and tastes amazing. It melts in your mouth, and the taste won't even suggest you made it at home. Let's learn the recipe for a delicious bread malai roll at home. Ingredients for making bread malai rolls: Bread slices - 6 to 8 Milk - 1 liter Khoya - 1/2 cup Sugar - 1/2 cup Dry fruits - finely chopped 2 tablespoons Cardamom powder - 1/2 teaspoon Saffron strands - 8-10 Saffron strands - 10 Method for making bread malai rolls: 1. First, pour 1 liter of milk into a heavy-bottomed pan and bring it to a boil. When the milk comes to a boil, reduce the heat and let it thicken, stirring occasionally. 2- When the milk is reduced to half, add sugar, cardamom powder, and saffron strands. 3- Next, add chopped dry fruits and cook until the milk thickens to a consistency similar to rabri. Then, turn off the heat and let it cool. 4- Now, take khoya in a pan and mix it with finely chopped dry fruits to form a thick mixture, which will be stuffed inside the bread. 5- Now, take fresh bread slices and cut off the edges from all sides with a knife. 6- Place the white part of the bread on a rolling board and roll it lightly with a rolling pin until it becomes flat. 7- Fill the center of the rolled bread with the khoya stuffing and roll it up. 8- Similarly, fill all the bread slices with the stuffing and prepare the rolls. 9. Arrange the prepared bread rolls on a serving plate, pour the cooled rabri over them, dipping the bread rolls in it from all sides. 10. Garnish with chopped cashews, pistachios, and saffron strands and serve.



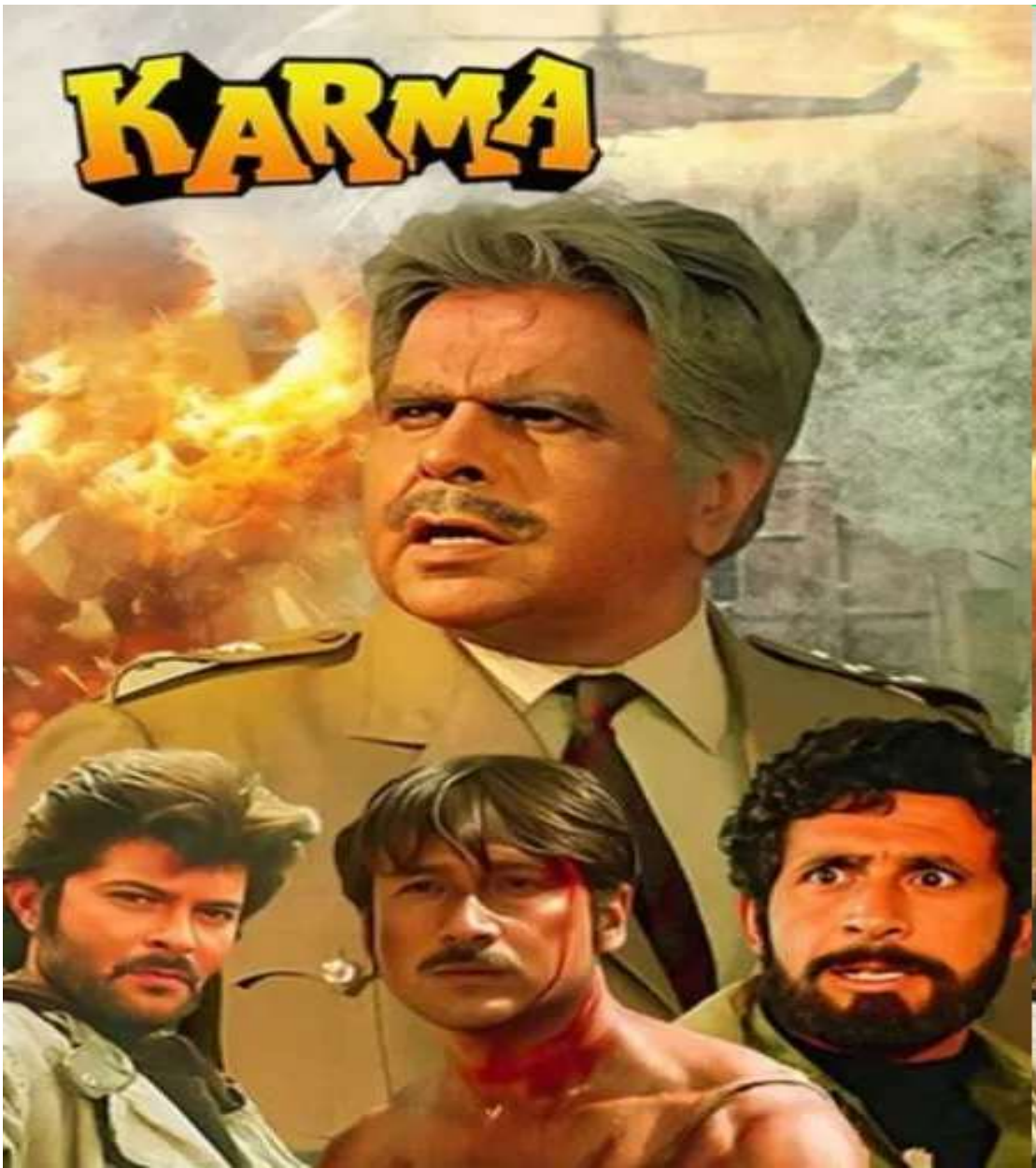
The most romantic song played on the radio brings back memories of ''Pados Ki Mohabbat''; sung by Udit Narayan.

The evergreen song of the 90s, people would wait for it to be played on the radio. It was also played frequently on Doordarshan. The song, which was played frequently on radio and Doordarshan, is immortal in the voice of Udit Narayan. The most superhit song from a flop film, a song that will remind you of your neighbor's love! 30 years ago, a film was a box office disaster, but one of its songs became so popular that it became a top list on radio and Doordarshan. This song expresses a quiet, innocent, and deep love. The music of this song touches your soul, and its lyrics will immerse you in nostalgia. It is one of Bollywood's most romantic songs, remaining a favorite even after three decades. The most cult romantic song of the 90s—the song we're talking about was sung by Udit Narayan. This song is "Ghar Se Niklte Hi." It's from the 1996 film "Papa Kehte Hain." The film featured actors like Anupam Kher, Mayuri Kango, and Jugal Hansraj. The song's lyrics touch the heart. Mahesh Bhatt's "Papa Kehte Hain" may not have been a very popular film, but its song, "Ghar Se Niklte Hi," became an evergreen hit. The lyrics, "Ghar Se Niklte Hi, Kuch Der Chalte Hi, Raste Mein Hai Uska Ghar...", are heart-touching. Comments on the YouTube video of the song say that listening to it reminds them of their neighbor's love. Hrithik's uncle composed the music. The lyrics of this song express innocent love, beautifully crafted by Javed Akhtar. The song's soulful music is credited to Hrithik Roshan's uncle, Rajesh Roshan. The song was sung by Udit Narayan. It was widely played on the radio, and its audio cassettes were also widely played. Furthermore, it was a top hit on Doordarshan's Chitrahaar and Rangoli shows.



Not only 'Udta Teer', Dilip Kumar's superhit film was also banned in Nepal 40 years ago, causing a lot of uproar over one scene.

Before Ayushmann Khurrana's 'Udta Teer', Nepal had banned Dilip Kumar's blockbuster film. Find out why... Dilip Kumar's film has also been banned in Nepal - Protests against Dilip Kumar's film - Permission was denied to screen 'Udta Teer' as well. Citing security, peace, and order, Nepal has banned Ayushmann Khurrana's spy comedy drama 'Udta Teer'. The announcement was made by Nepal's Ministry of Communications and Information Technology. However, this is not the first time Nepal has banned an Indian film. Previously, the neighboring country had banned Dilip Kumar's blockbuster film, which caused a lot of uproar. Dilip Kumar's film was also banned 46 years ago: Dilip Kumar's film 'Karma', directed by Subhash Ghai, was released. It was a patriotic action drama starring Dilip Kumar, Anil Kapoor, Naseeruddin Shah, Sridevi, Poonam Dhillon, and Jackie Shroff. Protests against 'Karma' in Nepal - When Dilip Kumar's film was released in 1986, it was a hit, but the film sparked a controversy in Nepal. Protests erupted against the film, and it was even banned. The reason behind this was a scene involving eating. Which scene in 'Karma' caused the uproar? In fact, a scene in the film showed a map depicting Nepal as part of India. Considering this an insult to Nepal's sovereignty and integrity, the people there protested. The Nepal government subsequently banned the film. Why was 'Udta Teer' banned in Nepal? - Ayushmann Khurrana and Sara Ali Khan's upcoming film 'Udta Teer' was not allowed to be screened in Nepal. According to Nepal's local news website, Onlinekhabar, the ministry informed the distribution company, National Cine Group, through an official letter that the film failed to pass the required tests. The Central Film Censor Board found that the content of "Udta Teer" fell within the restrictions imposed under Section 8(3) of the National Cinema Act 2026. Under this provision, the film has been banned in Nepal.



Yami Gautam's Nayi Naveli turns the tables, shocking earnings on its sixth day

The box office collections of actress Yami Gautam's latest film, Nayi Naveli, have suddenly changed. This is Nayi Naveli's sixth day collection - Box office earnings change. Actress Yami Gautam's latest film, Nayi Naveli, released in theaters last week in anticipation of Dussehra. This horror-comedy film, Nayi Naveli, starring National Film Award-winning actress Yami Gautam, is currently entertaining audiences and earning decent box office revenue. However, on the sixth day of its release, Nayi Naveli has seen a dramatic shift in its earnings. Let's find out how much the movie did on Wednesday. Nayi Naveli's sixth-day earnings: On Dussehra, Nayi Naveli's box office collections saw a significant jump, leading to speculation that Yami Gautam's film would continue to earn strong earnings in the coming days. But on the second day of Vijayadashami, the equation suddenly changed, and the film's business declined. According to a report by SaccNilk, Yami Gautam's Nayi Naveli earned an estimated ₹2.50 crore at the domestic box office on its sixth day of release, significantly lower than Tuesday's. With this, Nayi Naveli's total earnings in India have surpassed ₹20 crore. However, the film is still far from recovering its budget. According to media reports, the total cost of the horror comedy film Nayi Naveli exceeded ₹30 crore. Therefore, the film will need to perform even more commercially in the coming days. In addition to Yami Gautam, several actors like Anurag Thakur, Adinath Kothare, Sunita Rajbhar, and Rajesh Dubey play key roles in Nayi Naveli. Nayi Naveli surpasses Pahaar - While Nayi Naveli may not have done as well at the box office as its makers had hoped, Yami Gautam's horror comedy has still overshadowed actor Rajkummar Rao's courtroom drama Pahaar. The new film Naveli defeated Pahaar in this box office clash. Pahaar grossed ₹15 crore within six days of its release.

